प्रिय XXXX,

हम आपको XX अंतरराष्ट्रीय नारीवादी नागरिक सामाजिक संस्थाओं (सीएस) के तौर पर एशिया और प्रशांत क्षेत्र से लिख रहे हैं। हाल ही में जनरेशन इक्वलिटी फोरम (जीईएफ)/पीढ़ी समानता मंच) ने हमें दुनिया भर में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण को गति प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धताओं को और मजबूती के साथ करने के लिए प्रोत्साहित किया है। हम लोग भाग्यशाली है कि हमने जीईएफ एक्शन कोलिशन ब्लूप्रिंट के लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने के लिए कई हितधारकों से 40 बिलियन अमरीकी डालर जुटा लिए है।

हालांकि, हम अपनी सख्त चिंता व्यक्त करना चाहते हैं कि जीईएफ में एशिया और प्रशांत क्षेत्र को प्राथमिकता नहीं दी गई; और इसके विकास में क्षेत्र के लिए जुड़ाव की कमी और संसाधनों में भी कमी की गई जबकि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी एशिया प्रशांत में ही रहती है, जिसमें दुनिया के 60% से अधिक युवा हैं। यह क्षेत्र जलवायु से संबंधित आपदाओं के लिए सबसे अधिक संवेदनशील है, जो महिलाओं और समूहों जो हाशिए पर है, को असमान रूप से प्रभावित कर रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया में लगभग 40% महिलाएं और प्रशांत क्षेत्र में 68% महिलाएं अंतरंग साथी या भागीदारों से यौन और लिंग आधारित हिंसा का अनुभव करती हैं। प्रशांत क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी दर राष्ट्रीय विधायी निकायों में विश्व में सबसे कम है। जीईएफ की कल्पना हमारी सरकारों के साथ इनमें से कुछ मुद्दों को रखने के लिए एक स्थान के रूप में की गई थी और हमें उम्मीद थी कि पेरिस फोरम हमारे महत्वपूर्ण सामूहिक एडवोकेसी/ पैरोकारी के मुद्दों को उठाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

परन्तु, हमने देखा कि पेरिस के उद्घाटन या समापन समारोह में एशिया या प्रशांत क्षेत्र की किसी भी सरकार ने भाग नहीं लिया; पूरे मंच में इस क्षेत्र से नारीवादी नेतृत्व का अच्छी तरह से प्रतिनिधित्व भी नहीं किया गया था, यौनकर्मियों और ट्रांस लोगों के विशिष्ट समूहों को इससे बाहर रखा गया था। यह हमारे पूरे क्षेत्र में लैंगिक समानता के एजेंडे को आगे बढ़ाने और वैश्विक पीढ़ी की समानता की वास्तविकताओं का सटीक प्रतिनिधित्व करने का एक बहुत बड़ा अवसर था जिसे हम चूक गए। हम नारीवादी कार्रवाई और जलवायु न्याय (एसी) के लिए जीईएफ में वित्तीय प्रतिबद्धताओं की निराशाजनक कमी की ओर भी तत्काल ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं, क्योंकि एशिया और प्रशांत क्षेत्र पहले से ही दैनिक आधार पर जलवायु और पारिस्थितिक आपातकाल से बड़े पैमाने पर नुकसान और क्षति से निपट रहे हैं।

हमारी चिंताए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की पहुंच की कमी के बारे में भी हैं और साथ ही जीईएफ के आयोजन का समय और सीमित भाषाओं ने हमारे क्षेत्र की नारीवादियों के लिए बाधा उत्पन्न की है, और मंच प्रौद्योगिकी ने यूरोप से दूर के क्षेत्रों में पहुंच को ध्यान में नहीं रखा। विकलांगता से संबंधित पहुंच की अस्वीकार्य कमी थी, जिसमें सांकेतिक भाषा की व्याख्या, बंद कैप्शनिंग या स्क्रीन रीडर एक्सेसिबिलिटी (एकाधिक भाषाओं में) शामिल है। भाषा उन महिलाओं, लड़कियों और अन्य लोगों की भागीदारी में एक बड़ी बाधा थी जो अंग्रेजी या फ्रेंच नहीं समझते । जीईएफ पेरिस मंच संगठित रूप से अच्छी तरह से काम नहीं कर पाया, और कई सत्रों को बफरिंग, मॉडरेटर मुद्दों, बैक-एंड तकनीकी कर्मचारियों को सत्रों के दौरान सुना जा रहा था, और अन्य तकनीकी मुद्दों ने गंभीर रूप से बाधित किया था।

यदि जनरेशन इक्वलिटी वास्तव में अधिक समावेशी होना चाहती है, तो ऐसी बाधाओं को दूर किया जाना चाहिए। सक्षमता, विषमलैंगिकता, पितृसत्ता और औपनिवेशिक विरासत से हाशिए पर रहने वालों की भागीदारी की गारंटी के बिना, हम कभी भी लैंगिक समानता हासिल नहीं कर सकते, और "किसी को पीछे नहीं छोड़ना" केवल खाली बयानबाजी होगी। जीईएफ को "प्रतिच्छेदन, नारीवादी नेतृत्व और परिवर्तन" के कोर एक्शन कोलिशन (एसी) सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए, हम सद्भावना के साथ इसमें शामिल रहना जारी रखेंगे, लेकिन विषय, संरचना और प्रक्रिया में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने की आवश्यकता है। हमें ऐसा लगता है कि हम सामूहिक रूप से काम करके, यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि एशिया और प्रशांत के देश लैंगिक समानता को गति प्रदान करने, और जीईएफ प्रतिबद्धताओं के लिए जवाबदेही तय करने तथा जमीनी स्तर पर, स्वदेशी और स्थानीय महिलाओं और नारीवादी नेतृत्व वाले समूहों को तेजी से विकसित कर सके।

इस प्रक्रिया के लिए हमारे कुछ सुझाव हैं:

- एक्शन कोलिशन की पूर्ण पहुंच के अभ्यास के साथ समावेशी समुदायों को बदलना, और क्षेत्रीय संयुक्त राष्ट्र कार्यालयों और विकास संस्थानों के लिए संसाधनों के साथ अभ्यास के क्षेत्रीय समुदायों की स्थापना करना, शहरी गरीबों, अनौपचारिक बस्तियों, ग्रामीण और समुद्री क्षेत्र सहित उनकी सभी विविधता में अंतरजातीय नारीवादियों और महिलाओं की भागीदारी का समर्थन करना जैसे यौनकर्मी, LGBTQI+, गैर-द्विआधारी लोग और विकलांग लोग;
- नागरिक सामाजिक संस्थाओं, जैसे नारीवादी, महिलाओं, समुदाय और जमीनी स्तर से जुड़े, और युवा नेतृत्व वाली संस्थाओं को पर्याप्त, दीर्घ कलिक और लचीले वित्तीय सहायता के विकल्प उपलब्ध कराना;
- सभी एक्शन कोलिशन नेताओं और प्रतिबद्धता-निर्माताओं द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं की निगरानी के लिए वर्ष के अंत तक क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावी जवाबदेही ढांचे की स्थापना करना;
- जमीनी स्तर पर परिवर्तनकारी प्रभाव का मूल्यांकन करने वाले एक मजबूत और समावेशी जवाबदेही ढांचे को उचित रूप से लागू करने के लिए सरकारों, क्षेत्रीय विकास संस्थानों और फंडर्स के साथ वकालत करने के लिए क्षेत्र में प्रतिच्छेदन नारीवादियों और नागरिक सामाजिक समूहों के साथ जुड़ना;
- नारीवादी कार्रवाई और जलवायु न्याय (एसी) के काम के लिए जीईएफ द्वारा तत्काल धन उगाहने, और जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिक और लैंगिक समानता पर राजनीतिक इच्छाशक्ति बढ़ाने के लिए एक वैश्विक क्रॉस-एसी अभियान शुरू करना चाहिए;

- पूरे क्षेत्र में बहु-हितधारक समूहों के साथ जुड़ाव को मजबूत करना, क्योंकि जीईएफ प्रक्रिया की योजना और कार्यान्वयन जारी है, जिसमें भविष्य के सभी मंच और जवाबदेही तंत्र शामिल हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में हमारे क्षेत्र में कोई भी छूट न जाए।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए साझा नेतृत्व और कार्रवाई के लिए तत्पर हैं कि जीईएफ की प्रतिबद्धताएं और एक्शन कोलिशन लैंगिक समानता को आगे बढ़ाते हैं और एशिया सहित दुनिया के सभी क्षेत्रों में एक समान, न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ भविष्य के लिए महिलाओं के मानवाधिकारों की प्राप्ति का समर्थन करते हैं।